Course code	Professional Social Work - 1	L	T	P	C
BSWOR20Y301	व्यावसायिक समाज कार्य	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- व्यावसायिक समाज कार्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में व्यावसायिक समाज कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- व्यावसायिक समाज कार्य के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- व्यावसायिक समाज कार्य के परिचय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- व्यावसायिक समाज कार्य के द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- व्यावसायिक समाज कार्य के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में व्यावसायिक समाज कार्य के कौशल का विकास होना।
- छात्रों में व्यावसायिक समाज कार्य के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- व्यावसायिक समाज कार्य से अभ्यास के लिए नूतन तकनीक विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- व्यावसायिक समाज कार्य एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- व्यावसायिक समाज कार्य के ज्ञान का अभ्यास होना।
- व्यावसायिक समाज कार्य के कार्यों से छात्रों को परिचय करना।

Unit - 1 — **18**

- **व्यावसायिक समाज कार्य–**
  - भारत में समाज कार्य इतिहास
  - समाज कार्य क्षेत्र
  - समाज कार्य के प्रमाण।

Unit - 2 — **18**

- **समाज कार्यः एक व्यवसायः–**
  - व्यवसाय के रूप में समाज कार्य।
  - भारत और विदेश के संदर्भ

Unit – 3 — **18**

- **व्यावसायिक समाज कार्य क्षेत्र,**
  - समाज कार्य एवं रोजगार के क्षेत्र,
  - शिक्षा में समाज कार्य,
  - चिकित्सा में संभाग शहरी एवं ग्रामीण समुदाय विकास,
  - अनुसंधान।

Unit - 4 — **18**

- **धर्म और समाज कार्य–**
  - हिन्दू धर्म और समाज कार्य।

• जैन धर्म और समाज कार्य। • इस्लाम और समाज कार्य। • बौद्ध और समाज कार्य। • सिखधर्म और समाज कार्य। • ईसाई और समाज कार्य।	
Unit - 5	**18**
• **निदेशन एवं परामर्श–** • अर्थ परिभाषा, • अवधारणा, प्रभार, • व्यवसायिक निर्देशन एवं परामर्श।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1 समाज कार्य का परिचय– प्रो. राजाराम शास्त्री, सूचना विभाग उ.प्र., लखनऊ। **2** समाज कार्य का परिचय – डॉ. धर्मपाल चौधरी, प्रकाशन आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली। **3** समाज कार्य के सिद्धान्त– प्रो. मिर्जा रफुद्दीन अहम्मद–प्रकाशन किताब महल, दिल्ली। **4** समाज कार्य सिद्धान्त एवं पद्धत्तियाँ, बालेश्वर पाण्डेय, समाज कार्य विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।		

Course code	Community Organization and Development Paper- 2	L	T	P	C
BSWOR20Y302	सामुदायिक संगठन एवं विकास	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- सामुदायिक संगठन एवं विकास विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में सामुदायिक संगठन एवं विकास के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास की भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- सामुदायिक संगठन एवं विकास के द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- सामुदायिक संगठन एवं विकास के द्वारा छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में सामुदायिक संगठन एवं विकास के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- सामुदायिक संगठन एवं विकास के गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 — **18**

- **विषय प्रवेश–**
  - प्रस्तावना
  - सामुदायिक संगठन की पृष्ठभूमि।
  - सामुदायिक संगठक के रूप में गांधी जी और उनके सूत्र

Unit - 2 — **18**

- **समुदाय और सामुदायिक संगठन–**
  - मानव समाज का उद्‌भव और समाज की संरचना का बनना।
  - समुदाय की अवधारणा, परिभाषा।
  - समुदाय के प्रकार एवं अर्थ।
  - समुदाय और राज्य व्यवस्था के बीच सम्बंध।
  - समुदाय के प्रकार सामुदायिक।
  - मानव समाज– निजी व्यवस्था से राज्य। व्यवस्था तक।
  - समुदाय और राज्य व्ययस्था के बीच की डोर–संविधान।
  - सामुदायिक संगठन के मायने।
  - सामुदायिक संगठन का अस्तित्व में आना।
  - सामुदायिक संगठन के रूप।
  - सामुदायिक संगठन का दायरा।

Unit – 3 — **18**

• **सामुदायिक संगठन की प्रकिया और सिद्धान्त–** • सामुदायिक संगठन। • सामुदायिक संगठन की प्रकिया • सामुदायिक संगठन के सिद्धान्त और मूल्य। • समुदाय संगठक–एक व्यक्तित्व को परिभाषित करने की कोशिश। • सामुदायिक संगठक के कुछ गुण। • सामुदायिक संगठक के कौशल। • सामुदायिक संगठक की भूमिकाएं।	
Unit - 4	**18**
• **समुदाय में सत्ता शक्ति और ताकत–** • समुदाय के ढ़ाँचे में सत्ता शक्ति और ताकत। • सत्ता और ताकत की अवधारणा। • समुदाय में सत्ता शक्ति के ढ़ाचों के प्रकार। • समुदाय में सत्ता और ताकत के ढ़ाँचे को समझने की जरूरत।	
Unit - 5	**18**
• **सामुदायिक विकास और सहभागिता–** • सामुदायिक विकास – अवधारणा, चरित्र आरे दायरा। • विकास के क्षेत्र या दायरे। • सामाजिक कार्य और सामाजिक आन्दोलन– समानताएं और अन्तर। • सामुदायिक सहभागिता–परिभाषा और अर्थ। • सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक अंकेक्षण। • सामाजिक अंकेक्षण का सामाजिक बदलाव में महत्त्व।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1 सामुदायिक संगठन–बालेश्वर पाण्डय, तेजस्कर पाण्डेय, रावत पब्लिकेशन। 2 सामाजिक किया और सामाजिक आन्दोलन, रावत पब्लिकेशन। 3 समुदाय एवं सामाजिक किया – डॉ. रूपेश कुमार, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा। 4 समाज कार्य, सिद्धान्त और व्यवहार – कुँवरसिंह, प्रकाश केन्द्र लखनऊ उ.प्र.। 5 समाज कार्य सिद्धान्त एवं अभ्यास – डॉ. कृपाल सिंह, नव ज्योति सिमरन जीत पब्लिकेशन, लखनऊ। 6 वर्किंगविद, कम्युनिटी, एच.बॉय सिदि्दकी, हर नाम पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली 1984।		

Course code	Gender, Social and Social Work - 3	L	T	P	C
BSWOR20Y303	लिंग, समाज एवं समाज कार्य	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- लिंग समाज एवं समाज कार्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में लिंग समाज एवं समाज कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य का परिचय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- लिंग समाज एवं समाज कार्य के द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- लिंग समाज एवं छात्रों में समाज कार्य कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- लिंग समाज एवं समाज कार्य ज्ञान का अभ्यास होना।
- लिंग समाज एवं समाज कल्याण के कार्यों से छात्रों को परिचय करना।

Unit - 1 — **18**

- समाज–अर्थ, परिभाषा,
- अवधारणाएँ, प्रकृति,
- अभिकरण–परिवार,
- जाति, धर्म, संस्कृति,
- न्याय, समाज कार्य।

Unit - 2 — **18**

- लिंग–आशय, परिभाषा, अवधारणाए,
- लिंग की भूमिका,
- लैंगिक असामनता,
- भारत में लिंग भेद :के कारण,
- चुनौतियाँ. दुष्यपरिणाम,
- लैंगिक शिक्षा की आवश्यकता, महत्व, रूढियाँ।

Unit – 3 — **18**

- यौन शिक्षा–यौन का अर्थ,
- विशेषताएँ, महत्त्व और आवश्यकता,
- सकारात्मकता,
- यौन परामर्श में सामाजिक कार्य कर्ता की भूमिका।

Unit - 4 — **18**

• लैंगिक दुर्व्यवहार एवं हिंसा–प्रकृति, • लैंगिक दुर्व्यवहार एवं हिंसा की अवधारणा, • वर्गीकरण, प्रकार, कारण, • सामाजिक दृष्टिकोण, • दुर्व्यवहार की पहचान, • महिला अधिकार हनन, • समसामयिक घटनाएँ एवं दुष्प्रभाव।	
Unit - 5	**18**
• लैंगिक भेद निराकरण– संचार द्वारा, • आत्मसुरक्षा • शिक्षा कानून द्वारा, • राज्य द्वारा, • शिक्षा द्वारा, • लैंगिक भेद भाव को कम करने में जन संचार, • कानून तथा राज्य की भूमिका शिक्षा द्वारा, • स्वास्थ्य सुरक्षा।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1 सामुदायिक संगठन–बालेश्वर पाण्डेय, तेजस्कर पाण्डेय, रावत पब्लिकेशन। 2 सामाजिक क्रिया और सामाजिक आन्दोलन, रावत पब्लिकेशन। 3 समुदाय एवं सामाजिक क्रिया – डॉ. रूपेश कुमार, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा। 4 समाज कार्य सिद्धान्त और व्यवहार–कुँवरसिंह, प्रकाश केन्द्र लखनऊ उ.प्र.। 5 समाज कार्य सिद्धांत एवं अभ्यास– डॉ. कृपाल सिंह, नव ज्योति सिमरन जीत पब्लिकेशन, लखनऊ। 6 वर्किंगविद कम्युनिटी : एच.बॉय सिद्दिकी, हर नाम पब्लिकेशन, न्यू दिल्ली 1984।		

Course code	Voluntary Organization and Social Work - 4	L	T	P	C
BSWOR20Y304	स्वंय सेवी संगठन एवं समाज कार्य	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन के द्वारा समाज कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन एवं समाज कार्य के अभ्यास के प्रवृत्ति को विकसित करना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- समाज कार्य के द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन एवं समाज कार्य के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन कौशल का विकास होना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन से छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- स्वयंसेवी संगठनों का गठन और प्रबंधन एवं ज्ञान का अभ्यास होना।

Unit - 1 — **18**

- **गैर सरकारी संगठनों का वैचारिक ढांचा और इतिहासः–**
  1. बुनियादी अवधारणाएं– स्वैच्छिक गतिविधि, स्वैच्छिक संगठन, गैर सरकारी संगठन, नागरिक समाज संगठन।
  2. भारत में स्वैच्छिक संगठनों का ऐतिहासिक विकास।

Unit - 2 — **18**

- **गैर सरकारी संगठन की संरचनाः–**
  1. गैर सरकारी/स्वैच्छिक संगठन की प्रक्रिया, अवधारणा, शासी निकाय नियमों का निरूपण।
  2. एक गैर सरकारी संगठन पंजीकरण अधिनियम–सोसायटी अधिनियम 1860, भारतीय न्यास अधिनियम 1950 कम्पनी अधिनियम 1925।
  3. एनजीओ का पंजीकरण।

Unit – 3 — **18**

- **गैर सरकारी संगठन संचालन के कानूनः–**
  1. मजदूरी और न्यूनतम मजदूरी अंशदान कानून।
  2. आयकर अधिनियम तहत छूट प्रबंधन।
  3. विदेश असंदान अधिनियम 1976।

Ashishraj

4. वैधानिक रिटर्न–वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखा।	
Unit - 4	**18**
• **गैर सरकारी संगठन संचालन का प्रबंधनः–** 1. रिकार्ड रखना प्रलेखन बजट। 2. स्टाफ एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण। 3. संगठनात्मक व्यवहार।	
Unit - 5	**18**
• **परियोजना निर्माण और कियान्वयनः–** 1. परियोजना प्रस्ताव। 2. परियोजना कियान्वयन। 3. परियोजना मूल्यांकन। 4. परियोजना निगरानी।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
1. गैर सरकारी संगठनों का प्रबन्धन – डॉ. देवेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रकाशन, चित्रकूट सतना। 2. गैर सरकारी संगठन और शिक्षा– तरुण कुमार।			

Course code	Social Group Work - 5	L	T	P	C
BSWOR20Y305	सामूहिक समाज कार्य	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

1 सामूहिक समाज कार्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2 छात्रों में सामूहिक समाज कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3 सामूहिक समाज कार्य के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4 सामूहिक समाज कार्य का परिचय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1 सामूहिक समाज कार्य के द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
2 सामूहिक समाज कार्य के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

1 छात्रों में सामूहिक समाज कार्य कौशल का विकास होना।
2 छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3 सामूहिक समाज कार्य अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
4 सामूहिक समाज कार्य एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
5 सामूहिक समाज कार्य ज्ञान का अभ्यास होना।
6 सामूहिक समाज कल्याण के कार्यों से छात्रों को परिचय करना।

Unit - 1 — **18**

- **समूह समाज कार्य :–**

1 समूह समाज कार्य का परिचय अर्थ एवं परिभाषा।
2 समूह समाज कार्य की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि।
3 समूह समाज कार्य के उद्देश्य।
4 समूह समाज कार्य की आवश्यकता।

Unit - 2 — **18**

- **समूह समाज कार्य :–**

1 विशेषताएँ
2 भ्रान्तियां
3 कार्य क्षेत्र, नाम ।
4 समाज कार्य उद्देश्य एवं महत्व।
5 समाज कार्य सिद्धान्त ।
6 अंग.

Unit – 3 — **18**

- **समूह समाज कार्य –**

1 समूह समाज कार्य का दर्शन एवं मूल्य।
2 समूह समाज कार्य और कार्यकर्ता।
3 समूह समाज कार्य और संस्था।
4 नेतृत्व की आवश्यकता।

Unit - 4 — **18**

• समूह समाज कार्य में परामर्श – 1. परामर्श परिचय अर्थ एवं परिभाषा। 2. उद्देश्य। 3. आवश्यकता। 4. प्रकार –नैदानिक,मनोवैज्ञानिक,मनोचिकित्सकीय,नियोजन ,वैवाहिक,आदि 5. परामर्श सेवा के लक्ष्य	
Unit - 5	**18**
• समाज कार्य एवं अन्य संबंधित अवधारणायेः– 1. सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक सुधार। 2. सामाजिक नीति एवं सामाजिक किया। 3. सामाजिक न्याय एवं सामाजिक सशक्तिकरण। 4. मानव अधिकार।	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			
Text Book(s) / Reference Books			
	1 समाज कार्य का परिचय– प्रो. राजाराम शास्त्री, सूचना विभाग उ.प्र., लखनऊ।		
	2 समाज कार्य का परिचय– डॉ. धर्मपाल चौधरी, प्रकाशन आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।		
	3 समाज कार्य के सिद्धान्त–प्रो. मिर्जा रफुद्दीन अहमद–प्रकाशन किताब महल, दिल्ली।		

Course code	Field Work Practice - 6	L	T	P	C
BSWOR20Y306	व्यावहारिक अभ्यास कार्य	0	0	10	10
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 MARKS			

Course Objectives:

- व्यावहारिक अभ्यास कार्य विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य द्वारा सामाजिक नेतृत्व की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य के द्वारा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- व्यावहारिक अभ्यास कार्य एवं समाज कार्य के ज्ञान का अभ्यास होना।

90

बैचलर ऑफ सोशल वर्क पाठ्यक्रम की आंशिक पूर्ति के लिए विद्यार्थी के द्वारा विश्वविद्यालय प्रदत्त किसी एक गाँव के 30 परिवारों की निर्धारित बिन्दुओं के अनुसार सम्पूर्ण जानकारी एवं परिवारों की जानकारी एक शोध प्रारूप में विद्यार्थी के द्वारा व्यवहारिक अभ्यास के लिए प्रस्तुत कराई जायेगी।

1. पर्यावरण और समाज कार्य।
2. सामाजिक समस्याएँ और समाज कार्य ।
3. आपदा प्रबंधंन और समाज कार्य।
4. बाल विकास और समाज कार्य।
5. परिवार और समाज कार्य।
6. पंचायतों के प्रावधान।
7. शासकीय योजनाएँ और समाज कार्य।
8. शासकीय अभियान और समाज कार्य।
9. राष्ट्रीय एवं अतंर्राष्ट्रीय सामाजिक समस्याएं एवं समाज कार्य।
10. सम सामयिक समस्याएँ और समाज कार्य।
11. मनोविज्ञान और समाज कार्य।
12. विधिक साक्षरता एवं समाज कार्य।
13. मानव स्वास्थ्य और समाज कार्य।
14. महिला सुरक्षा से संबंधित अधिनियम।
15. बाल सुरक्षा और अधिनियम।
16. श्रम कल्याण और अधिनियम।

नोट– उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदत्त विषय पर परियोजना कार्य प्रस्तुत किया जा सकता है।